हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

11 सफाई कर्मचारियों ने की क्रमिक भूख हड़ताल

12 परिवेदना समिति की बैठक में 8 शिकायतें हल

खबर संक्षेप

नीट-यूजी परीक्षा आठ केंद्रों पर होगी आयोजित

झज्जर। जिलाधीश स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने जिले में आगामी नीट-यूजी परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत कड़े आदेश जारी किए हैं। यह परीक्षा आगामी तीन मई को दोपहर दो बजे से पांच बजे तक व दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए दो बजे से छह बजे तक आठ परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा अवधि के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। साथ ही किसी भी प्रकार के हथियार जैसे आग्नेयास्त्र, तलवार, लाठी, बरछा, कुल्हाड़ी, गंडासी, चाकू आदि लेकर चलने पर सख्त रोक लगाई गई है, ताकि कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखी जा सके और परीक्षा निर्बाध रूप से संपन्न हो।

बीसीसीआई के चुनाव 11 मई को, नामांकन 4 से

बहादुरगढ़। आगामी 11 मई को बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की गवर्निंग बॉडी के चुनाव होंगे। इस प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए पीके बंसल को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम के तहत 1 मई को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी। नामांकन पत्र 3 मई को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चैंबर कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकेंगे। नामांकन दाखिल करने की तिथि 4 और 5 मई निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 6 मई को होगी। सात मई को सुबह दस से शाम पांच बजे तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकते हैं। इसके बाद अंतिम उम्मीदवारों की सूची व चुनाव चिह्न भी 7 मई को ही जारी किए जाएंगे। आवश्यकता हुई तो 11 मई को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद उसी दिन मतगणना की जाएगी।

बादली कॉलेज में दीक्षांत समारोह आज

बहादुरगढ़। चौधरी धीरपाल राजकीय महाविद्यालय बादली में मंगलवार को दीक्षांत व वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में कॉलेज के स्नातक व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को कुल 210 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। वहीं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर आनंद काद्यान ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रोफेसर मदन मोहन को आमंत्रित किया गया है।

छोटी उम्र में ही बड़ी जिम्मेदार थी 7 बरस की सलोनी

बहन के भात के लिए बचाए 10 हजार रुपये लाने को वापस जलती झुग्गी में कूद गई मासूम सलोनी, वरना बच जाती जान

- रविवार को खेतों में भड़की आग ने एमईटी सेक्टर-7 की 13 झुग्गियां कर दी थी खाक
- आग में जिंदा जल गई थी सात वर्षीय सलोनी, प्रशासन ने अभी तक झुग्गी में रहने वाले परिवारों की नहीं की कोई मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

खेतों से झुग्गियों तक पहुंची आग की चपेट में आई सात वर्षीय सलोनी की जान बच सकती थी अगर वह बचत के रुपयों वाला बैग लेने के लिए वापिस झुग्गी में न गई होती। पोस्टमार्टम के दौरान मासूम सलोनी के पिता बुद्धसेन ने यह बात बिलखते हुए कही। उन्होंने बताया कि रविवार दोपहर बाद करीब सवा तीन बजे जब खेतों की आग झुग्गियों तक पहुंची तो वहां बड़े मौजूद नहीं थे, वह काम पर गए हुए थे। उन झुग्गियों में केवल छोटे बच्चे ही मौजूद थे। जब आग लगी तो तपिश के कारण सभी बच्चे अपनी-अपनी झुग्गियों से बाहर निकल आए। साथ लगती झुग्गी से उसके रिश्तेदार का बेटा विकास भी बाहर निकल आया था। ऐसे में सलोनी ने विकास से कहा कि भाई हमारा रुपयों वाला बैग अंदर रह गया, मैं उसे लेकर अभी आई। जब तक विकास कुछ कह पाता तब तक सलोनी जलती हुई झुग्गी के अंदर जा चुकी थी। इसके बाद आग की लपटों में घिरी सलोनी झुग्गी से बाहर नहीं निकल पाई और उसकी मौत हो गई। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों द्वारा जब आग पर काबू पाया गया और आग बुझने के बाद जब लोग अंदर पहुंचे तो सलोनी का शव औंधे मुंह पड़ा मिला, जिसने रुपये से भरे बैग को सीने से कसकर पकड़ा हुआ था। यह दृश्य देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। सलोनी के पिता बुद्धसेन ने बताया कि बैग में करीब दस हजार रुपये थे, जो उन्होंने भांजी की शादी के लिए थोड़े-थोड़े कर बचाए थे। यह हादसा गरीबी और मजबूरी के बीच पल रही मासूमियत की ऐसी त्रासदी बन गया, जिसने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया।

झज्जर। अपनी मां कुसुम व भाई विवेक के साथ कांवड़ लाते हुए मासूम सलोनी। फाइल फोटो।

शिवरात्रि पर परिवार के साथ कांवड़ लाई थी सलोनी

मृतका सलोनी के पिता ने बताया कि उसकी दो संतान है। बड़ा बेटा विवेक गांव में ही रहता है जबकि बेटी सलोनी उन्हीं के साथ यहां झुग्गी में रहती थी। उसकी बेटी को छोटी उम्र में ही परिवार के सदस्यों व रुपयों की अहमियत की समझ थी। जब बीते सावन माह में वह सलोनी की मां कुसुम को साथ लेकर हरिद्वार से कांवड़ लेने गए थे तब भी सलोनी उनके साथ गई थी। उसके नन्हें पांवों ने भी हरिद्वार से लेकर उनके यूपी स्थित पैतृक गांव शीतला सराय तक की यात्रा पैदल तय की थी और अब घर के रुपये बचाने को लेकर उसने अपनी जान दांव पर लगा दी। परिजनों का कहना था वे अपनी बेटी को पढ़ाना चाहते थे, इसी के चलते उन्होंने अपनी पुत्री का दाखिला सौंधी गांव स्थित सरकारी स्कूल में कराया था। वह पहली कक्षा की छात्रा थी।

रो-रो कर सूखे मां की आंख के आंसू

पोस्टमार्टम के दौरान सलोनी की मां कुसुम भी अस्पताल परिसर में उपस्थित थी। वह अपनी बेटी के अंतिम दर्शन करना चाहती थी। अपनी बेटी के चले जाने के सदमे में उसकी आंसू सूख चुके थे। कुसुम की बहन भी उसके बगल में बैठी उसे ढांढस बंधा रही थी लेकिन रो-रो कर सूख चुकी कुसुम की आंखें केवल शून्य में देखते हुए मासूम के पोस्टमार्टम होने का इंतजार कर रही थी।

आगजनी में अज्ञात पर केस दर्ज, जिम्मेदारी तय नहीं

एमईटी सेक्टर-7 की झुग्गियों में लगी आग में जिंदा जली सात वर्षीया मासूम सलोनी के शव का पोस्टमार्टम सोमवार को कराया गया। मामले के जांच अधिकारी पीएसआई रविंद्र ने बताया कि मृतका के पिता बुद्धसेन की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

एक्शन में निगम : नियमों का पालन न करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई

बिना लाइसेंस चल रही मीट की 6 दुकानें सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

क्षेत्र में मौजूद मीट की अवैध दुकानों के खिलाफ नगर परिषद की कार्रवाई जारी है। नोटिस देने के बाद अब सीलिंग की कार्रवाई भी तेज कर दी गई है। सोमवार को पटेल नगर में 6 मीट की दुकानें सील की गईं।

दरअसल, शहर में कई जगह मीट की दुकानें हैं। इनमें अधिकांश दुकानों में बेचने के साथ मौके पर ही जीवों का कटान किया जाता था। बहादुरगढ़ में इस तरह की किसी भी दुकान संचालक के पास कोई लाइसेंस नहीं था। आम नागरिकों द्वारा भी समय-समय पर इनके खिलाफ शिकायत की जाती है। बीते दिनों नगर परिषद की ओर से इस दिशा में कदम उठाते हुए मीट की दुकानों पर नोटिस दिए गए। अब तक 70 से अधिक दुकानों को नोटिस दिए जा चुके हैं। नोटिस के जरिये खुद दुकानें बंद करने के निर्देश के साथ जवाब मांगा गया था। नोटिस अवधि समाप्त के बाद सीलिंग शुरू कर दी गई है। ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार प्रवीण कुमार, नगर परिषद के एसडीओ जोगेंद्र सिंधु व सचिव प्रवीण कुमार आदि अधिकारियों की मौजूदगी में यह कार्रवाई चली। एसडीओ जोगेंद्र सिंधु ने कहा कि बहादुरगढ़ में किसी भी मीट शॉप संचालक के पास लाइसेंस नहीं है। तमाम संचालकों को नोटिस दिए जा चुके हैं। अब सीलिंग शुरू कर दी गई है। लगातार यह कार्रवाई जारी रहेगी।

बहादुरगढ़। पटेल नगर में दुकान सील करते कर्मी।

प्रॉपर्टी टैक्स न भरने पर 3 भवनों पर ताला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वाले बकायेदारों के खिलाफ नगर परिषद ने सख्ती बढ़ा दी है। सोमवार को चलाए गए विशेष अभियान के तहत परिषद की टीम ने पांच फर्मों पर छापेमारी की, जिसमें तीन फर्मों के भवनों को मौके पर ही सील कर दिया गया।

अभियान के दौरान दो फर्म संचालक कार्रवाई से बचने के लिए तुरंत बकाया टैक्स देने के लिए आगे आए। इनमें से एक फर्म ने लगभग 7 लाख रुपये, जबकि दूसरी ने 4 लाख 23 हजार रुपये के चेक मौके पर ही जमा कराए। एमआईई व सांखोल आदि क्षेत्र में यह कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार प्रवीण कुमार की निगरानी में की गई। इस दौरान नगर परिषद के एसडीओ जोगेंद्र सिंधु, सेक्रेट्री प्रवीण कुमार समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। नगर परिषद अधिकारियों के अनुसार, टैक्स बकायेदारों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसके बावजूद भुगतान न करने वालों के खिलाफ अब सीधी सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। एसडीओ जोगेंद्र सिंधु ने स्पष्ट किया कि जिन लोगों ने अभी तक अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं कराया है, वे जल्द से जल्द बकाया राशि जमा कर दें। अन्यथा उनके भवनों को सील करने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बहादुरगढ़। एक भवन को सील करती टीम।

तेज आंधी में आग ने लिया विकराल रूप

दो दर्जन जगह आग ने मचाया तांडव, कई गांवों में खेतों में नुकसान

झज्जर। खेत में लगी आग आंधी की वजह से जगह-जगह फैली।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

सोमवार देर सायं अज्ञात कारणों के चलते क्षेत्र के गांव भूरावास, बिरधाना, माछरौली, लौहारी, धांधलान, बिरड और शहरी क्षेत्रों समेत करीब दो दर्जन जगह आग लग गई। तेज आंधी के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिसके कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ। स्थिति यह रही कि दमकल विभाग की गाड़ियां भी आग बुझाने में कम पड़ गई। गांव धांधलान में आग रिहायशी बस्ती तक जा पहुंची। गनीमत यह रही कि ग्रामीणों के सहयोग और दमकल विभाग की मेहनत से आग पर काबू पाया जा सका। इसी प्रकार शहर के शिव चौक स्थित एक मकान के ऊपरी तल पर रखे ईंधन में भी आग लग गई। यहां आस पड़ोस के लोगों और मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने तुरंत आग पर काबू पा लिया।

अब गुलाबी होगा किला गेट

बहादुरगढ़। गांधी चौक पर स्थित ऐतिहासिक किला गेट (नक्कार खाना) पर रंग रोगन का काम शुरू कर दिया गया है। नगर परिषद की ओर से इसे गुलाबी रंग में रंगवाया जा रहा है। हालांकि लोगों का यह भी कहना है कि इस भवन को मरम्मत की भी जरूरत है।

ट्रेन में चढ़ते वक्त पांव फिसलने से 65 वर्षीय बुजुर्ग की कटकर मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

स्थानीय रेलवे स्टेशन परिसर में सोमवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रेन में चढ़ते वक्त एक व्यक्ति का पांव फिसल गया और वह पूरी तरह से कट गया। पुलिस ने शव नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। घटना सुबह करीब सात बजे की है। मृतक की उम्र करीब 65 वर्ष आंकी जा रही है। जानकारी के अनुसार, ट्रेन में चढ़ते वक्त व्यक्ति का पांव फिसला और वह गिर गया। ट्रेन की चपेट में बुरी तरह से आया और दो हिस्सों में कट गया। सूचना पाकर जीआरपी टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव को बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। जांच अधिकारी प्रदीप कुमार का कहना है कि मृतक के आसपास कोई पहचान संबंधित दस्तावेज नहीं मिला है।

विधायक व संत सुरेहती विवाद सुलझाने को कमेटी गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

विधायक कुलदीप वत्स और संत सुरेहती के बीच भगवान परशुराम भवन शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद को सुलझाने के लिए श्री ब्राह्मण महासभा द्वारा सोमवार को 21 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। कमेटी में हरिओम कौशिक, हरीश पहलवान, राज पहलवान, एस एन कौशिक, विष्णु गुढ़ा, जयपाल खुंगाई, एडवोकेट आशाराम, करण कलोई, दीपक भारद्वाज बिरड़ माजरा, पंडित राम चंद्र प्रधान छबीली, सुभाष शर्मा बेरी, विनोद छारा, सुरेंद्र आसौदा, सतनारायण पहलवान, पंडित सतनारायण महराणा, पंडित भूपेंद्र सिलानी, राजेंद्र शर्मा, नरेंद्र नौरंगपुर, चंद्र मणि कबलाना, केडी मैनपाल शर्मा पाहसौर, पाले राम को शामिल किया गया है। वहीं, दोनों ही पक्ष पहले ही पंचायत पर फैसला छोड़ चुके हैं, जो पंचायत फैसला करेगी, वह उन्हें मंजूर होगा।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित ब्राह्मण समाज के लोग।

मनोरंजन | बॉलीवुड व हरियाणवी कलाकारों ने झज्जर जिले में दी दस्तक

संजय दत्त और मासूम शर्मा मान परिवार से मिले

हरियाणा मेरा घर, यहां के लोगों का प्यार हमेशा अपनी ओर खींचता है : संजय दत्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इलाके में इन दिनों बॉलीवुड व हरियाणवी कलाकारों की मौजूदगी देखी जा रही है। एक तरफ जहां फिल्म अभिनेता रणदीप हुड्डा रेलवे रोड पर शूटिंग करते देखे गए, वहीं संजय दत्त और हरियाणवी कलाकार मासूम शर्मा यहां डूसू अध्यक्ष आर्यन मान के निवास पर पहुंचे।

अभिनेताओं के आगमन पर लोगों और समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया। संजय दत्त ने आर्यन मान और उनके परिवारजनों से आत्मीय मुलाकात की। लोवा सत्रहा के प्रधान अशोक मान और दलबीर मान से शिष्टाचार भेंट कर हालचाल जाना। मुलाकात के दौरान संजय दत्त ने कहा कि हरियाणा से उनका विशेष लगाव है और हरियाणा ही उनका घर है। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों का अपनापन और प्रेम हमेशा उन्हें अपनी ओर खींचता है। आर्यन मान के परिवार से मिलकर भी उन्होंने खुशी जताई और सभी को शुभकामनाएं दीं। बता दें कि दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव के दौरान भी संजय दत्त ने आर्यन मान के समर्थन में वोट की अपील की थी।

इस अवसर पर हरियाणवी कलाकार मासूम शर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने अपनी हरियाणवी फिल्म लाइसेंस को मिल रहे प्यार पर खुशी जताई। मासूम शर्मा ने कहा कि लोगों द्वारा फिल्म को खूब पसंद किया जा रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला का भूत भी लाइसेंस ने उतार दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में साउथ के दर्शक भी इस फिल्म को डब करवाकर देखेंगे और इसे भरपूर प्यार देंगे।

बहादुरगढ़। मान परिवार के साथ संजय दत्त व मासूम शर्मा।

फोटो : हरिभूमि

दुष्यंत चौटाला के विरोध में दलाल खाप महापंचायत से दूरी बनाने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हिसार में प्रस्तावित महापंचायत से पहले जजपा को बड़ा झटका लगा। दलाल खाप-84 ने जजपा नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के खिलाफ खुलकर विरोध का ऐलान करते हुए महापंचायत से दूरी बनाने का निर्णय लिया है। रविवार देर शाम गांव मांडौठी में आयोजित खाप की बैठक में प्रधान भूप सिंह और गोशाला प्रधान बल्लू दलाल सहित अन्य प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से यह फैसला लिया। बैठक में स्पष्ट किया गया कि खाप महापंचायत में शामिल नहीं होगी और दुष्यंत चौटाला के खिलाफ विरोध भी जारी रखेगी।

खाप प्रतिनिधियों ने एसआई राजकुमार दलाल के समर्थन में भी मजबूती से अपनी बात रखी। खाप प्रतिनिधियों का कहना है कि राजकुमार दलाल उनके समाज का हिस्सा हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार की बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजकुमार दलाल मूल रूप से रिवाड़ी खेड़ा गांव के निवासी हैं, जो दलाल खाप 84 का प्रमुख गांव माना जाता है। दरअसल, दिग्विजय चौटाला द्वारा सब-इंस्पेक्टर राजकुमार दलाल को धक्का देने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसी घटना को लेकर खाप में नाराजगी उभरकर सामने आई है। बैठक में खाप नेताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि पहले वायरल हुआ एक बयान, जिसमें उपप्रधान द्वारा दुष्यंत चौटाला का समर्थन दर्शाया गया था, उसे गलत संदर्भ में पेश किया गया। खाप ने उस वीडियो का भी विरोध किया। बैठक में समुंदर दलाल सहित अन्य सदस्यों ने भी फैसले का समर्थन किया।

बहादुरगढ़। बैठक में मौजूद खाप प्रधान व अन्य।

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
28 अप्रैल 2026

सहेली

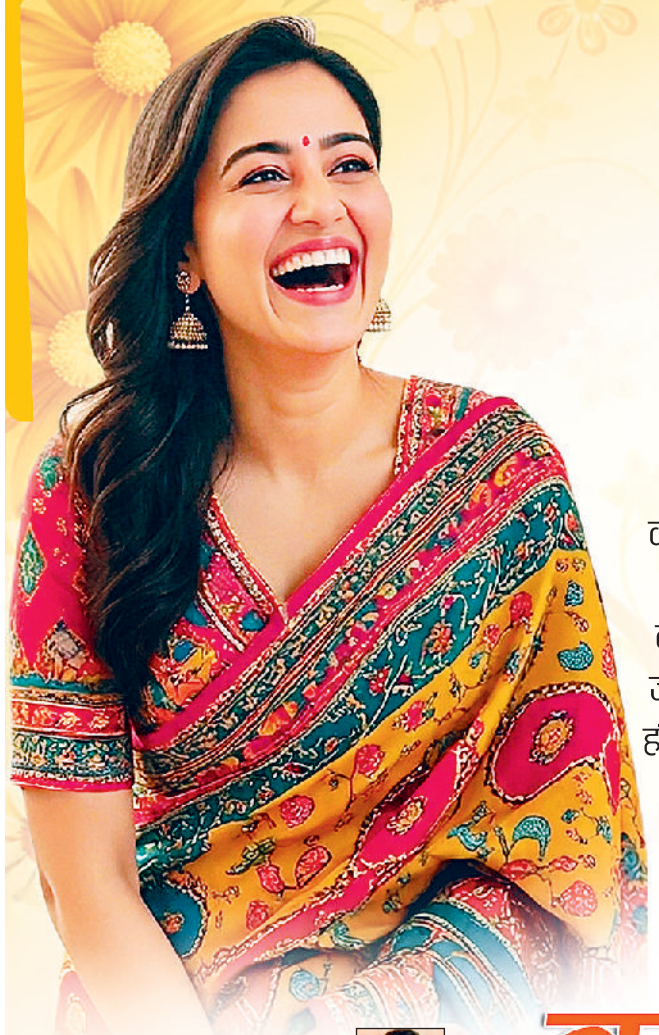

विशेषः विश्व हास्य दिवस, 3 मई

क्या आप हमेशा अपने काम में डूबी रहती हैं-काम.. काम.. बस काम। हंसी-ठिठोली से दूर, चेहरे पर जरा-सी भी मुस्कान नहीं। एक असहज जीवन, बोझिल-सा मन। यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। हंसिए जरूर। हंसी मन को संभालती है, तनावमुक्त रखती है, एक सुकून देती है। हंसी हमें सहज-सरल बनाती है। इतना ही नहीं, हंसी रिश्तों को भी जोड़ कर रखती है। हंसी हमें प्रफुल्लित रख जीवन को जीवंत बनाती है।

हंसो-हंसाओ बने रहो जीवंत

कवर स्टोरी

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

जन्म लिया बच्चा जो बोल नहीं पाता, वह मुस्कुराता है, हंसता है, इसी के जरिए दुनिया से अपना पहला रिश्ता बनाता है। शायद इसी कारण हंसी मात्र एक भाव नहीं, संवाद का एक खूबसूरत जरिया भी है। एक समय था, जब रिश्तों के भीतर हंसी-ठिठोली किसी जीवंत तंतु की तरह फैली रहती थी, जो उन्हें भीतर से जोड़े रखती थी। ऐसा भी नहीं है तब कामों की थकान और शिकायतें नहीं होती थीं, लेकिन इन सब पर भारी पड़ती थी-हंसी। यही हंसी, थके शरीर को एक राहत देती थी।

हंसी के लिए नहीं चाहिए होता था खास मौका

पहले के समय में हंसी किसी खास मौके की मोहताज नहीं होती थी, वह तो रोजमर्रा की गतिविधियों में घुली-मिली रहती थी। हंसी एक ऐसा संवाद होता था, जिसमें चलते-फिरते सब शामिल हो जाते थे-छोटा, बड़ा, बूढ़ा और जवान। हर किसी के पास हंसी का अपना एक किस्सा, एक अंदाज होता था। घर के आंगन में चार औरतें बैठीं नहीं कि बातें शुरू, इन बातों के बीच हंसी अपने आप जन्म ले लेती थी। दो लोगों को हंसते देख कब स्वयं भी हंसी का फव्वारा फूट पड़ता, पता ही नहीं चलता था। इस तरह हंसी हमें आपस में जोड़ती थी।

हंसी रिश्तों में घोलती थी मिठास

देवर-भाभी का रिश्ता तो जैसे हंसी का सबसे प्यारा संग-साथ होता था। नई बहू घर में आती, तो देवरों की शरारतें शुरू हो जातीं-कोई रास्ता रोक लेता, कोई नाम बिगाड़ देता, कभी खुद ही ऐसी बात कह बैठते कि भाभी ही नहीं, दादी, मां और बहनें भी हंसी में शामिल हो जातीं। भाभी भी कम नहीं होतीं-एक ही पंक्ति में ऐसा जवाब देती कि घर-आंगन ठहाकों से गूंज उठता। इसमें कोई मर्यादा नहीं टूटती थी- एक ऐसा अपनापन होता था, जो धीरे-धीरे रिश्तों को खोल देता था। सबसे खास बात यह होती थी कि उस समय कोई अकेला नहीं होता था। अगर किसी का चेहरा बुझा-बुझा सा दिख जाए, तो उसे यूं ही नहीं छोड़ दिया जाता। दो-चार औरतें पास बैठ जातीं और फिर शुरू हो जाती थी हल्की-फुल्की छेड़छाड़, जो धीरे-धीरे हंसी में बदल जाती। बिना समझाए, बिना समझे ही मन हल्का हो जाता था।

महसूस होता है एक सुकून

पहले के लोग भले ही ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं होते थे, लेकिन उन्हें जीने की समझ गहरी हुआ करती थी। उन्हें यह नहीं पता था कि हंसने से शरीर में एंडॉर्फिन बनता है या डोपामिन बढ़ता है, लेकिन इतना जरूर जानते थे कि खुलकर हंसने के बाद मन हल्का हो जाता है। आज विज्ञान बताता है कि जब हम हंसते हैं तो शरीर में ऐसे तत्व सक्रिय होते हैं, जो दर्द कम करते हैं, मन को स्थिर रखते हैं और तनाव घटाते हैं। साथ बैठकर हंसने से अपनापन बढ़ता है, भरोसा मजबूत होता है। यही कारण है कि खुलकर हंसने के बाद एक सुकून-सा महसूस होता है।

हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक

आज मनुष्य पहले से अधिक सक्षम है, मजबूत है, लेकिन कहीं न कहीं पहले से ज्यादा अकेला भी हो गया है। वह सब कुछ संभाल रहा है, पर किसी से अपने मन की कहने का अवसर उसे कम मिलता है। ऐसे समय में हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। जरूरत यह नहीं कि हम पुराने समय में लौट जाएं, बल्कि यह है कि हंसी जैसी सरल और सुंदर आदत को फिर से अपने व्यवहार में जगह दें, मिलकर हंसने की आदत डालें। लोगों से संवाद करें। अपनी बात कहें, दूसरों की सुनें और बीच-बीच में खुलकर हंसें भी। रोज नहीं तो हफ्ते में एक दिन ही सही, थोड़ा समय अपनों के लिए निकालें, उनके साथसाथ बैठें, बिना किसी खास वजह के बातें करें। और अगर कोई चुप दिखाई दे, तो उसके पास जाकर बैठें, क्योंकि सच यही है कि सिर्फ बातों से किसी का दुख-तनाव कम नहीं किया जा सकता। कई बार एक सहज, साझा हंसी ही मन का सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। हास्य दिवस हमें यही याद दिलाता है कि हंसी कोई व्यर्थ चीज नहीं है। हंसी में जीवन को हल्का करने की ताकत है, रिश्तों को जोड़ने की ताकत है और मन को संभालने का सबसे सरल उपाय भी यही है।

आइए, हम फिर से अपने जीवन में हंसी के लिए जगह बनाएं। आंगन छोटा हो तो क्या, दिल बड़ा रखें। हम बैठकी सजाएं, ठहाके लगाएं और एक-दूसरे से दिल की कहें, मौज-मस्ती करें, चुहलबाजी करें और हंसते रहें। क्योंकि अंत में हमारे साथ जो रह जाता है, वह केवल हमारी कमाई नहीं होती, बल्कि यह होता है कि हमने अपनी उस कमाई से कितनों के चेहरे पर सच्ची मुस्कान दी है।

प्यार और परवाह भरे हों छुट्टियों के दिन

समर वैकेशन का समय बच्चों के लिए दिन भर की व्यस्तता वाली नियमित दिनचर्या से भले अलग हो, लेकिन इस समय का सदुपयोग जरूरी है। इसके लिए एक प्लानिंग बना ली जानी चाहिए। पैरेंट्स और बच्चे मिलकर छुट्टियों को प्यार और परवाह भरे दिन बनाएं।

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

साल भर बाद आने वाली छुट्टियों यानी समर वैकेशन का समय सीमित ही होता है। यही दिन कहीं जाने या किसी के अपने घर आने के दिन भी होते हैं। इसीलिए सही प्लानिंग बनाकर बच्चों की रुचि के मुताबिक कुछ एक्टिविटीज से जुड़ने की राह चुनना जरूरी है। असल में छुट्टियों के सही उपयोग और नियोजन के लिए पहले दिन से ही कुछ बातें तय कर लेना जरूरी है। समर क्लासेस की ज्वाइनिंग से लेकर अपने रूम को ऑर्गनाइज्ड करने और हम उम्र साथियों के खेलने-कूदने के साथ ही परिवार संग वक्त बिताने के सहज से गाइडलाइंस को इस प्लानिंग का हिस्सा बनाएं। बीते एकेडमिक ईयर या आने वाली क्लास के मुताबिक कोई होमवर्क दिया गया हो तो उसे पूरा करने को लेकर भी टाइम टेबल बनाना चाहिए।

समझें समर क्लास की उपयोगिताः गर्मियों की छुट्टियों में समर कैंप या क्लासेस भी बच्चों के लिए कुछ नया सीखने-समझने का अच्छा अवसर होते हैं। इस समय बच्चे अपनी हॉबी या स्किल्स निखारने के लिए कोई कोर्स कर सकते हैं। इन स्किल्स के क्लासरूम में बच्चों पर अच्छा परफॉर्म करने का कोई मानसिक दबाव नहीं होता। प्रतियोगिता से दूर सहज माहौल में बच्चे कुछ नया सीखते हैं। समर क्लासेस बच्चों को क्रिएटिव मोर्चे पर मन का करने का अवसर देते हैं। हॉबी क्लासेस में बच्चे रचनात्मक रूप से बहुत सक्रिय रहते हैं। असल में समर क्लासेस में बच्चे अपने ही आस-पास की अनदेखी-अनजानी दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। गिनती के दिनों के ये क्लासरूम बच्चों की क्षमता और प्रतिभा को रचनात्मकता का प्यारा कैनवास देते हैं। जिस पर बच्चे बिना किसी तनाव के अपनी मर्जी के रंग भरते हैं।

बच्चों के लिए चुनें सही कोर्सः सभी पैरेंट्स सोचते हैं कि गर्मी की छुट्टी में बच्चों को क्या ऐसा कोर्स कराएं कि अवकाश के दिनों में भी उनका समुचित विकास हो। जरूरी यह है कि पैरेंट्स की इच्छा से बच्चों के रुचि-रुझान का भी मेल हो। इन दिनों क्रिकेट, स्केटिंग, योग, कसरत, डांस, म्यूजिक, स्केचिंग, पेंटिंग, स्टोरी टेलिंग और पब्लिक स्पीकिंग जैसी कई तरह की क्लास चलती हैं, पर कोई भी कोर्स नहीं चुना जा सकता। ना ही हर कोर्स, हर बच्चे के लिए सही होता है। इसीलिए घर के छोटे सदस्यों की रुचि और उम्र के अनुसार ही कोर्स का चयन करना आवश्यक है। इस मोर्चे पर पैरेंट्स अपनी पसंद बिलकुल भी न थोपें। छुट्टियां खुशियों का ही समय होता है। बिना किसी के दबाव के कलात्मक गतिविधियां करने से डोपामाइन हार्मोन बढ़ता है। यह हार्मोन बच्चों को खुशी और शांत मन की सौगात देता है। प्रसन्न और पॉजिटिव माइंडसेट से किए गए ऐसे शॉर्ट-टर्म कोर्स कई बार जिंदगी भर के लिए बच्चों के शौक की बुनियाद बना देते हैं।

घर में भी रचनात्मक गतिविधियांः समर क्लास या समर कैंप न जाने वाले बच्चे घर में भी क्रिएटिव छुट्टियां बिता सकते हैं। समर वैकेशन में आस-पड़ोस के बच्चे मिल-जुलकर कुछ नया सीख सकते हैं। कुछ एक्टिविटीज में तो पैरेंट्स भी शामिल हो सकते हैं। बच्चों के साथ पैरेंट्स कोई नई रेसिपी बना सकते हैं। इससे बच्चे घर और रसोई के छोटे-छोटे काम करना सीखेंगे। घर में पैरेंट्स के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए बच्चे घर और अपना कमरा साफ रखने और चीजों को सही जगह पर जांचने का पाठ भी पढ़ सकते हैं। फुर्सत के पलों में सहज अंदाज में दिए गए अभिभावकों के दिशा-निर्देश बच्चों को बोझ भी नहीं लगते। इतना ही नहीं बच्चे ऑनलाइन क्लासेस के जरिए भी कोई नई भाषा सीख सकते हैं। तकनीकी फील्ड में रुचि हो तो कोडिंग, रोबोटिक्स या डिजिटल आर्ट के क्लास ले सकते हैं। सुबह-शाम बच्चों के साथ इंडोर गेम्स खेलने के लिए समय निकालना भी फुर्सत में कुछ पल बिताने का बहुत प्यारा तरीका है।

एडवाइस

ललिता गोयल

वर्किंग वूमेन के लिए घर के साथ वर्कप्लेस की जिम्मेदारियां निभाना आसान नहीं होता है। वहां भी उन्हें कई तरह के चैलेंजेस और प्रॉब्लम्स को फेस करना पड़ता है। ऐसे में परेशान होने के बजाय आपको उन्हें हैंडल करने का तरीका सीखना चाहिए।

वर्कप्लेस चैलेंजेस-प्रॉब्लम्स को वर्किंग वूमेन ऐसे करें फेस

आज के दौर में बहुत सी महिलाएं वर्किंग हैं। ऑफिस में वर्क प्रेशर के अलावा तरह-तरह के स्ट्रेस का सामना भी उन्हें करना पड़ता है। कुलीग और बॉस का नेचर, ऑफिस का माहौल, कंपनी पॉलिसीज, जेंडर भेदभाव, उचित सैलरी न मिलना, पर्सनल सेफ्टी की चिंता जैसी कई चुनौतियों का सामना वे करती हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन के मुताबिक वर्कप्लेस पर पुरुषों के मुकाबले में महिलाओं में बर्नआउट यानी मानसिक और शारीरिक थकान के मामले ज्यादा देखने को मिलते हैं। ऑफिस प्रॉब्लम्स से निपटने के लिए एक क्लीयर विजन और कॉन्फिडेंस की जरूरत होती है। जानिए, वर्किंग महिलाएं ऑफिस से जुड़ी समस्याओं को कैसे करें हैंडल?

मल्टीटास्किंग से बचें: एक समय में एक ही काम पर ध्यान केंद्रित करें, इससे गलतियां कम होती हैं। अगर आपके पास पहले से ही बहुत काम है, तो अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से बचें। अपनी जिम्मेदारियों और चुनौतियों के बारे में अपने मैनेजर या एचओडी से बात करें। संभव हो तो फ्लेक्जिबल वर्किंग ऑवर या वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन चुनें। कुलीग्स के साथ हेल्दी रिलेशन बनाएं।

जेंडर भेदभावः कई बार वर्कप्लेसेस पर गलत धारणाएं बना ली जाती हैं कि महिलाएं देर तक नहीं रुक सकतीं या शादी-मां बनने के बाद वे काम को लेकर कंसंट्रेट नहीं कर पाती हैं। इसे 'ग्लास सीलिंग' भी कहते हैं, जहां योग्यता के बावजूद उनको प्रमोशन या उचित इंक्रीमेंट नहीं मिलता है। इस समस्या से निपटने के लिए अपनी उपलब्धियों को डेटा और रिजल्ट्स के साथ पेश करें। कॉन्फिडेंट होकर अपनी बात रखें।

वर्कप्लेस सेफ्टीः ऑफिस में देर शाम तक काम के दौरान या फील्ड वर्क के दौरान सुरक्षा की चिंता, लगभग सभी वर्किंग वूमेन को होती है। इसके अलावा कई बार मेंटल टॉर्चर या हैरेसमेंट का भी उनको सामना करना पड़ता है। ऐसे में अपनी कंपनी की पॉलिसी के बारे में जागरूक रहें। किसी भी गलत व्यवहार को शुरुआत में ही टोकें। किसी भी तरह के भेदभाव या असुरक्षित व्यवहार को अनदेखा न करें और शिकायत दर्ज करने में जरा भी संकोच न करें।

वर्क प्रेशरः ऑफिस में पहले उन कामों को करें, जो ज्यादा जरूरी हैं। इसके अलावा गैरजरूरी काम या दूसरों के काम खुद न करें। अपने रोल के हिसाब से अपने कार्यों की पूरी लिस्ट बनाएं और इसके बाद इन्हें प्रायोरिटी के हिसाब से सेट कर लें। खुद को कभी भी ओवर वर्कलोडेड न रखें। हर काम को परफेक्ट बनाने की कोशिश कई बार तनाव बढ़ा देती है। इसलिए खुद से बहुत ज्यादा उम्मीद ना रखें। अगर कभी कोई काम समय पर नहीं हो पाता या परफेक्ट नहीं हो पाता तो खुद को दोष देने की बजाय अगले दिन उसे बेहतर तरीके से करें।

सीमाएं निर्धारित करें: ऑफिस टाइम के बाद बहुत इंपॉर्टेंट न होने पर कॉल्स या ई-मेल्स चेक करने से बचें। काम की लिस्ट बनाकर, उन्हें ऑफिस टाइम में ही पूरा करें। अगर आप ऐसा करती है तो दिन के आखिर में आपके सारे काम पूरे हो जाएंगे, जिससे फील गुड होगा।

(मनोवैज्ञानिक मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

मन को ऐसे रखें रिलैक्स

आप अपने ऑफिस और घर दोनों की जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभा पाएं, इसके लिए जरूरी है कि खुद को रिलैक्स रखें और मन को शांत रखें। मन शांत रखने के लिए आप डेली कुछ मिनट तक योगा, मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी कर सकती हैं। एक्सरसइज भी मन को शांत रखने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। जब आप दिन की शुरुआत योगा या मेडिटेशन से करती हैं तो पूरा दिन एनर्जेटिक और हैप्पी फील होता है। इससे दिन भर आप वर्क प्रेशर को आसानी से संभाल सकती हैं। इसके साथ ही स्ट्रेस और थकान से बचने के लिए लगातार काम करने के बजाय छोटे-छोटे ब्रेक लेती रहें।

थेरेपी

डॉ. गौरव गुप्ता
सीनियर साइकिएट्रिस्ट-सीईओ
तुलसी हेल्थकेयर, गुरुग्राम

प्रेगनेंट महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से हेल्दी रहने के लिए कई उपाय आजमाती हैं। इसमें लाफ्टर थेरेपी भी बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसके क्या फायदे हैं और इसे कैसे करना चाहिए, जानिए।

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए फायदेमंद है लाफ्टर थेरेपी

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का सबसे खास लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर भी होता है। इस दौरान उनके शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव, शारीरिक असामान्यता और कई तरह की चिंताएं, महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। इस वजह से प्रेगनेंसी का दौर कुछ महिलाओं को मुश्किलों भरा लगने लगता है। ऐसे में गर्भवती महिला के मानसिक स्वास्थ्य और बच्चे की ग्रोथ पर इसका बहुत बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में लाफ्टर थेरेपी यानी हंसी को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाना, मां और बच्चे दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है। आइए जानते हैं लाफ्टर थेरेपी और इससे होने वाले फायदों के बारे में।

लाफ्टर थेरेपी क्या हैः लाफ्टर थेरेपी एक नेचुरल हीलिंग तकनीक है, जिसमें हंसी के माध्यम से तनाव को कम किया जाता है। यह शरीर में एंडोर्फिन (हैप्पी हार्मोन) के स्तर को बढ़ाती है और कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) के स्तर को घटाती है।

लाफ्टर थेरेपी के फायदेः तनाव और चिंता में कमी गर्भावस्था में मानसिक तनाव आम बात है। हंसी से दिमाग में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे मूड बेहतर होता है और चिंता का स्तर कम होता है।

नींद में सुधारः हंसी से शरीर रिलैक्स होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। यह गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है।

इम्यूनिटी बूस्टरः लाफ्टर थेरेपी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। इससे संक्रमण या मौसमी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

हार्मोनल बैलेंस में मददः हंसी हार्मोनल उतार और चढ़ाव को संतुलित करने में सहायक होती है, जिससे मूड स्विंग्स नियंत्रित रहते हैं।

डिलीवरी के लिए तैयारीः हंसने से फेफड़े और पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे श्वसन और रक्त संचार बेहतर होता है। यह डिलीवरी के समय सहनशक्ति बढ़ाने में मदद करता है।

शिशु पर सकारात्मक असरः मां के हंसने से गर्भ में पल रहे शिशु तक मां की सकारात्मक भावनाएं पहुंचती हैं। खुश मां का असर शिशु के विकास पर भी बहुत सकारात्मक रूप से पड़ता है।

कैसे करें लाफ्टर थेरेपीः रोजाना सुबह 10-15 मिनट हंसने की आदत डालें। लाफ्टर योगा या ग्रुप एक्टिविटीज का हिस्सा बनें। कॉमेडी फिल्में या हल्के-फुल्के टीवी शो देखें। परिवार और दोस्तों के साथ हंसी-मजाक में वक्त बिताएं।

प्रस्तुतिः निकिता चौहान

तब जरूर करें डॉक्टर से कंसल्ट

लाफ्टर थेरेपी, प्रेगनेंसी के दौरान दवारहित और पूरी तरह सुरक्षित उपाय है। यह मां के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर शिशु के स्वस्थ विकास में मदद करती है। हालांकि अगर गर्भावस्था में किसी प्रकार की मेडिकल जटिलता हो तो डॉक्टर की सलाह लेकर ही इस थेरेपी को अपनाना चाहिए।

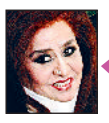

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

गर्मी के मौसम में स्किन केयर गुलाब जल है बहुत कारगर

गुलाब जल का इस्तेमाल सुंदरता निखारने में सदियों से किया जा रहा है। शायद यही वजह है कि जब स्किन केयर की बात आती है तो गुलाब जल का नाम भी आता है। यह आपकी त्वचा और चेहरे को ठंडक प्रदान करता है, जबकि इसकी खुशबू आपको तरोताजा रखती है और मूड को बेहतर बनाती है। गर्मियों में गुलाब जल त्वचा के लिए एक नेचुरल टोनर, क्लींजर और हाइड्रेटर की तरह काम करता है। यह त्वचा को ठंडक, नमी और निखार देता है, साथ ही पीएच स्तर को संतुलित रखता है। यह टैनिंग, सनबर्न, मुंहासों और अतिरिक्त तेल को कम करने में बेहद प्रभावी है। इसे स्प्रे, टोनर या फेस पैक के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल स्प्रेः एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर गुलाब जल गर्मियों की तेज धूप से स्किन को सुरक्षित रखता है। गर्मियों में रूखी, बेजान चेहरे की त्वचा को तरोताजा रखने के लिए गुलाब जल को फेस मिस्ट के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसे एक बोतल में रखकर चेहरे पर स्प्रे कर सकती हैं। इसे पूरी तरह सोखने दें। अगर आप कील, मुंहासों और दाग-धब्बों से परेशान हैं तो आप रात को सोने से पहले कॉटन बॉल की मदद से गुलाब जल लगाएं और इसे रात भर लगा रहने दें। आप इसे चेहरे पर सीधे भी स्प्रे कर सकती हैं या गुलाब जल को आइस ट्रे में जमा लें और इन आइस क्यूब को चेहरे पर हल्के-हल्के हाथों से मसाज करें। इससे तपती धूप में ठंडक मिलेगी और चेहरे पर ग्लो दिखेगा। गर्मियों के दिनों में ऑयली स्किन पर पिंपल होना आम समस्या है। इससे निपटने के लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में दो-तीन चम्मच गुलाब जल को मिलाकर बने पेस्ट को चेहरे पर लगा लें और इसे प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। पूरी तरह सूख जाने के बाद इसे ताजे ठंडे पानी से धो डालें।

डार्क सर्कलः गुलाब जल के उपयोग से आंखों के आस-पास डार्क सर्कल को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आप प्रभावित क्षेत्र में रूई की मदद से गुलाब जल लगाएं, जिससे त्वचा में नमी बढ़ेगी और डार्क सर्कल धीरे-धीरे कम होंगे। डार्क सर्कल के लिए गुलाब जल और ठंडे दूध को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से आहिस्ता-आहिस्ता आंखों को नीचे लगाकर आधे घंटे बाद ताजे पानी से धो डालें। इसे सप्ताह में तीन बार आप यूज कर सकती हैं।

फेस पैकः पुदीने और गुलाब जल का पैक त्वचा को मुलायम बनाने में सहायक होता है। पुदीने के रस में एक चम्मच शहद और थोड़ा सा गुलाब जल मिलकर बने पैक को चेहरे पर कुछ देर तक लगाने के बाद ताजे पानी से धो डालें।

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर लंबित मांगों के लिए चलाया जा रहा आंदोलन

सफाई कर्मचारियों ने की क्रमिक भूख हड़ताल, पहले दिन 11 कर्मचारी बैठे

झज्जर। नगर परिषद परिसर में क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर सोमवार को नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों द्वारा आठ घंटे की क्रमिक भूख हड़ताल की गई। भूख हड़ताल के दौरान 11 सफाई कर्मी भूख हड़ताल पर रहे। नगर परिषद परिसर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई प्रधान शिवम चावरिया ने की, जबकि मंच संचालन इकाई सचिव विकास उज्जैनवाल द्वारा किया गया। शिवम चावरिया ने बताया कि उनकी मुख्य मांगों में हाईकोर्ट के आदेशानुसार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, जब तक सरकार कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं करती तब तक 30 हजार रुपये न्यूनतम वेतन लागू करना, ठेका प्रथा समाप्त करना, अग्निशमन विभाग में काम के दौरान मृत्यु का शिकार बने कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देना, उनके आश्रितों को 1 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि व परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देना, शहर की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए नगर परिषद में नए कर्मचारियों की भर्ती करना शामिल हैं। मंगलवार को भी उनके द्वारा क्रमिक भूख हड़ताल की जाएगी। इसके उपरांत एक व दो मई को पूर्ण भूख हड़ताल होगी। यदि सरकार इसके बावजूद भी उनकी मांगें नहीं मानती है तो वे भूख हड़ताल को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदलने को मजबूर होंगे। क्रमिक भूख हड़ताल में शामिल कर्मचारियों में ऊषा, बबीता, शीतल, विनोद, राजेश, कुलदीप, जितेंद्र, सूरज, राजेश, विकास शामिल रहे।

कर्मचारियों ने धरना देकर नारेबाजी की

बहादुरगढ़। अग्निशमन कर्मचारियों के समर्थन और अपनी मांगों को लेकर नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने सोमवार से भूख हड़ताल शुरू कर दी। कर्मचारियों ने नगर परिषद गेट पर धरना देकर नारेबाजी की। पहले दिन सोनू, सुनील, धर्मवीर, विकास, विनोद, कलावती, गजना, इंद्रा, सुनीता, पूनम, पिंकी, पुष्पा और शकुंतला भूख हड़ताल पर बैठे। कर्मचारियों की मुख्य मांग कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने की है। उन्होंने 1996 से 2011 तक की नियमितीकरण नीतियों और हाल के न्यायालय के फैसलों के आधार पर पक्का करने की मांग उठाई। इसके अलावा कर्मचारियों ने नए पद सृजित करने, ठेका प्रथा खत्म कर विभागीय रोल पर लेने, समान काम के लिए समान वेतन, बकाया एरियर भुगतान और मेडिकल व अन्य सुविधाएं देने की मांग की। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

बहादुरगढ़। नगर परिषद के गेट पर धरने पर बैठे हड़ताली कर्मी।

अग्निशमन कर्मचारियों ने की भूख हड़ताल

बहादुरगढ़। अग्निशमन कर्मचारियों की हड़ताल अब और तेज होती नजर आ रही है। अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने अब आंदोलन को एक कदम आगे बढ़ाते हुए भूख हड़ताल शुरू कर दी है। बहादुरगढ़ में भी इस हड़ताल का असर देखने को मिल रहा है। यहां सोमवार को राजेश, श्रीभगवान नीटू और नवीन आदि कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठे। हड़ताल की अगुवाई जिला प्रधान नवीन डागर कर रहे हैं। गत आठ अप्रैल से यह हड़ताल चल रही है। हादसे में जान गंवाने वाले कर्मचारी भवीचंद शर्मा व रणवीर सिंह को शहीद का दर्जा देने, पीड़ित परिवार को एक करोड़ मुआवजा देने सहित कई मांग उठाई जा रही हैं। हड़ताली कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बहादुरगढ़। कार्मिक भूख हड़ताल पर बैठे दमकल कर्मी।

वार्ड-13 उपचुनाव के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट व सेक्टर सुपरवाइजर नियुक्त

झज्जर। नगर परिषद झज्जर के वार्ड नंबर-13 उपचुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधीश स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने नगर परिषद उपचुनाव के दृष्टिगत कानून व्यवस्था बनाए रखने, मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन तथा आरक्षित ईवीएम की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की है। जिलाधीश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 16(1) एवं 17(2) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिकारियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर सुपरवाइजर नियुक्त किया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी नियुक्त अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में सतर्कता बरतें ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था ना हो सके। उन्होंने बताया कि शहीद रमेश कुमार राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को मतदान केंद्र के रूप में चिन्हित किया गया है, जहां विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि उपचुनाव के लिए एसडीएम रवि मीणा को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि सीटीएम रितु बंसीवाल को सहायक रिटर्निंग अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगी। एटीपी सतीश कुमार को रिजर्व ड्यूटी मजिस्ट्रेट व राकेश कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर को रिजर्व सेक्टर सुपरवाइजर लगाया गया है।

स्वप्निल रविन्द्र पाटिल,जिलाधीश

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें, ताकि मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

जिलास्तरीय समाधान शिविर में दस शिकायतें आईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान के निर्देश दिए। शिविर में दस शिकायतें दर्ज की गई। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी और संतोषजनक निपटारा करना सभी विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य आम नागरिकों को एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान कराना है, ताकि उन्हें बार-बार विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि शिकायतों के निपटारे के दौरान संबंधित नागरिक से संवाद स्थापित करें, ताकि समाधान की गुणवत्ता के साथ-साथ उनकी संतुष्टि भी सुनिश्चित हो सके।

बरहाना गांव में लगे शिविर में ग्रामीणों ने करवाई स्वास्थ जांच

झज्जर। वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज रिसर्च एंड हॉस्पिटल गिरावड़ द्वारा क्षेत्र के गांव बरहाना में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अस्पताल के मेडिसिन विभाग, सर्जरी, नेत्र रोग, ईएनटी, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंच कर अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान चिकित्सकों द्वारा जरूरतमंद लोगों में जहां निःशुल्क दवाओं का वितरण किया वहीं उन्हें स्वास्थ्य की देखभाल संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया गया। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ. शिवम सिंह ने बताया कि संस्थान के संस्थापक डॉ. नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर के दौरान लोगों को स्वास्थ्य की उचित देखभाल संबंधी जानकारी भी दी गई।

एंटी नारकोटिक सेल ने तीन दिन में की दो बड़ी कार्रवाई

1680 नशीले कैप्सूल व 75 प्रतिबंधित शीशियों सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

■ पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने लगातार तीन दिनों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पत्रकार वार्ता में पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से कुल 1680 नशीले कैप्सूल और 75 प्रतिबंधित शीशियां बरामद की गई हैं। उन्होंने बताया कि पहली कार्रवाई में 23 अप्रैल को पुलिस टीम ने नूना माजरा गांव में अनुज निवासी आसौदा को पकड़ा। आरोपी अपनी आई-20 गाड़ी में बैठकर नशीले पदार्थ बेच रहा था। आरोपी की नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 960 नशीले कैप्सूल और 75 प्रतिबंधित शीशियां बरामद हुईं। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि वह ये नशीली दवाइयां मनीष निवासी छावला, दिल्ली से खरीदकर लाता था। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मनीष को भी गिरफ्तार किया है। वहीं, दूसरी कार्रवाई 25 अप्रैल को थाना लाइनपार बहादुरगढ़ क्षेत्र में की गई। पुलिस टीम ने शिव मंदिर छोटू राम नगर के पास घेराबंदी कर यशवंत निवासी चंद्र विहार, निलोठी वेस्ट दिल्ली को काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 720 नशीले कैप्सूल बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि बरामद दवाइयों की पुष्टि ड्रग्स इंस्पेक्टर व सरकारी डॉक्टर द्वारा प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के रूप में की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है।

झज्जर। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह।

कर्मचारियों को दी पीएफ संबंधित जानकारी

बहादुरगढ़। एसआर सेंचुरी पब्लिक स्कूल में सोमवार को कर्मचारी भविष्य निधि यानी पीएफ से संबंधित एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय के कर्मचारियों को पीएफ से जुड़े नियमों, प्रक्रियाओं व उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर पीएफ कार्यालय से धीरज दुआ और राहुल उपस्थित रहे। उन्होंने कर्मचारियों को पीएफ से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों द्वारा उठाई गई समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया।अधिकारियों ने कर्मचारियों को यह भी बताया कि वे अपनी समस्याओं के समाधान हेतु सीधे संपर्क कर सकते हैं, जिसके लिए आवश्यक संपर्क विवरण साझा किए गए। साथ ही, डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर विशेष जोर देते हुए बताया गया कि ऑनलाइन सेवाओं के जरिए अधिकांश समस्याओं का समाधान सरलता से किया जा सकता है। विद्यालय के प्रिंसिपल वीएन झा ने पीएफ विभाग रोहतक की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यालय के कानूनी सलाहकार रोहित मित्तल भी उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

जरूरतमंद विद्यार्थियों में किया स्वास्थ्यवर्धक दवा का वितरण

झज्जर। सोमवार को राजकीय प्राथमिक पाठशाला हसनपुर में आयुष विभाग द्वारा चिकित्सा एवं योगा कैंप का आयोजन किया गया। डॉक्टर पूनम यादव ने बताया कि कैंप में योगा सहायक नवीन कायत व योगा इंस्ट्रक्टर ममता ने बच्चों को योगाभ्यास कराते हुए उन्हें गर्मी से बचने के उपायों की जानकारी दी। विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच करते समय जरूरतमंद विद्यार्थियों में स्वास्थ्यवर्धक दवाओं का वितरण भी किया। स्कूल मुखिया राजकपूर ने आयुष विभाग की टीम का आभार जताते हुए विद्यार्थियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रेरित किया।

एसडीएम ने सुनीं समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं

बेरी। उपमंडल प्रशासन द्वारा जनसमस्याओं के त्वरित और पारदर्शी निवारण के उद्देश्य से आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जनता को वास्तविक राहत मिल सके। समाधान शिविर में बिजली, पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजस्व संबंधी मामले, पंचायत भूमि, अवैध कब्जे, बीपीएल व राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन तथा परिवार पहचान पत्र जैसी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें दर्ज की गईं।

बाल विवाह को समाप्त करने के लिए जागरूकता अभियान जरूरी : सीजेएम

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आमजन तक कानूनी सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल ने की। कार्यशाला में पेनल अधिवक्ताओं मध्यस्थ अधिवक्ताओं, तथा पैरा लीगल वॉलिंटियर्स ने भाग लिया। सीजेएम विशाल ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य विधिक सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सही जानकारी होने से की वॉलिंटियर जरूरतमंद लोगों को प्रभावी सहायता प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत आगामी नौ मई को लगेगी। जिसमें अधिक से अधिक केसों को राष्ट्रीय लोक अदालत में लाकर उनका निदान करवाया जाय। उन्होंने बताया नालसा, आशा अवेयरनेस, स्पोर्ट, हेल्प एंड एक्सन स्कीम 2025 के अंतर्गत बाल विवाह उन्मूलन पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए जागरूकता अभियान बेहद जरूरी है। इसके अलावा उन्होंने नालसा की ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन फॉर ए ड्रग फ्री इंडिया स्कीम 2025 पर भी चर्चा करते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण का आहान किया।

आशा वर्कर्स को हटाने के फैसले का विरोध

बहादुरगढ़। एआईयूटीयूसी से संबद्ध आशा कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा ने गांव रेवाड़ी खेड़ा की आशा वर्कर नीलम देवी को सेवा से हटाने के फैसले का विरोध किया है। यूनियन की राज्य महासचिव मधु चौहान ने कहा कि 30 मार्च 2026 को की गई यह कार्रवाई नियमों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि नीलम देवी 17 वर्षों से कार्यरत थीं और उन्हें बिना चार्जशीट व कारण बताओ नोटिस दिए हटाया गया, जो कानूनन गलत है।

NAME CHANGE

I, 912755-T Ex Sgt Monveer is legal father of Abhinav resident of Villa No. 813, HL City, Near ATSUN Floors, Sec-37, Bahadurgarh, Tehsil & Distt. Jhajjar, Haryana-124507 declare that I have changed my minor son's Name from Abhinav to Abhinav Tomar for all Purposes. His date of birth is 14-05-2013. Abhinav and Abhinav Tomar is one and the same person.

जानलेवा हमला करने का आरोपी काबू, रिवाल्वर व कारतूस बरामद

■ गांव गोच्छी में एक व्यक्ति पर किया था हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पुलिस की एक टीम द्वारा गांव गोच्छी में एक व्यक्ति पर किए गए जानलेवा हमले के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त रिवाल्वर व चार कारतूस भी बरामद किए हैं।

थाना प्रभारी बेरी उप निरीक्षक विनोद ने बताया कि शिकायतकर्ता जय भगवान निवासी गांव गोच्छी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक राजेश कुमार की टीम द्वारा एक आरोपी को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मनमोहन के तौर पर की गई है। अदालत के आदेशानुसार उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

झज्जर। पकड़ा गया आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो : हरिभूमि

लघु सचिवालय परिसर के फेस दो में वाटर कूलर का किया शुभारंभ

■ गर्मी के मौसम में लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवार को लघु सचिवालय परिसर के फेस दो में डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए वाटर कूलर का शुभारंभ कर आमजन को समर्पित किया। इस पहल से सचिवालय में आने वाले लोगों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा, जिससे उन्हें गर्मी से काफी राहत मिलेगी। डीसी ने कहा कि गर्मी के मौसम में लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्था के सहयोग से लगाए गए इस वाटर कूलर से आमजन को फायदा मिलेगा। उन्होंने संस्था के पदाधिकारियों को इस नेक कार्य के लिए प्रोत्साहित किया।

झज्जर। वाटर कूलर का शुभारंभ करते हुए डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल।

जिले की मंडियों और खरीद केंद्रों में अब तक दो लाख 33 हजार 435 मीट्रिक टन गेहूं की आवक

29 हजार 168 किसान गेहूं की फसल लेकर मंडियों में पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले की अनाज मंडियों में खरीद प्रक्रिया निरंतर जारी है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिले की मंडियों में अब तक 29 हजार 168 किसानों ने गेहूं उपज की बिक्री की है। जिले की मंडियों और खरीद केंद्रों में अब तक दो लाख 33 हजार 435 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज हुई है, जबकि एक लाख 84 हजार 817 मीट्रिक टन से अधिक की खरीद व एक लाख 16 हजार 842 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है। उन्होंने बताया कि झज्जर अनाज मंडी में 64 हजार 360 मीट्रिक टन, बादली में 16 हजार 815 मीट्रिक टन, ढाकला में 14 हजार 802 मीट्रिक टन, बेरी में 50 हजार 688 मीट्रिक टन, मातनहेल में 35 हजार 869 मीट्रिक टन, माजरा डी खरीद केंद्र पर 21 हजार 298 मीट्रिक टन, छारा में 14 हजार 950 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ में 1 हजार 804 मीट्रिक टन तथा आसौदा में 12 हजार 849 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। वहीं झज्जर मंडी में 47 हजार 460 मीट्रिक टन, बादली में 11 हजार 663 मीट्रिक टन, ढाकला में 11 हजार 763 मीट्रिक टन, बेरी में 38 हजार 533 मीट्रिक टन, मातनहेल में 31 हजार 256 मीट्रिक टन, माजरा डी में 19 हजार 101 मीट्रिक टन, छारा में 10 हजार 966 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ में 1 हजार 784 मीट्रिक टन तथा आसौदा में 12 हजार 291 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि झज्जर मंडी में 36 हजार 2 मीट्रिक टन, बादली में छह हजार 265 मीट्रिक टन, ढाकला में पांच हजार 503 मीट्रिक टन, बेरी में 18 हजार 279 मीट्रिक टन, मातनहेल में 25 हजार 90 मीट्रिक टन, माजरा डी में 12 हजार 885 मीट्रिक टन, छारा में चार हजार 868 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ में 1 हजार 330 मीट्रिक टन तथा आसौदा में छह हजार 620 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया जा चुका है।

झज्जर। अनाज मंडी में रखी हुई गेहूं की भरी हुई बोरियां। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़ अनाज मंडी में 13 गेट पास काटे, 606 क्विंटल गेहूं आई

बहादुरगढ़। क्षेत्र की अनाज मंडियों में गेहूं की आवक और सरकारी खरीद का सिलसिला लगातार जारी है। सोमवार को बहादुरगढ़ अनाज मंडी में 13 गेट पास कटने के बाद 606 क्विंटल गेहूं की आवक दर्ज की गई, जबकि आसौदा मंडी में 15 गेट पास जारी होने पर 648 क्विंटल गेहूं पहुंचा। मौजूदा सीजन में अब तक दोनों मंडियों में कुल 1,60,897 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। इसके मुकाबले 1,42,515 क्विंटल गेहूं की सरकारी खरीद दर्ज की गई है, जो खरीद प्रक्रिया की रफ्तार को दर्शाता है। उठान की स्थिति पर नजर डालें तो बहादुरगढ़ अनाज मंडी में 84.85 प्रतिशत और आसौदा मंडी में 51.35 प्रतिशत उठान हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार उठान की प्रक्रिया को और तेज करने के प्रयास जारी हैं। खास बात यह है कि इस बार गेहूं की आवक पिछले साल की तुलना में अधिक रही है। पिछले वर्ष 1 अप्रैल से 27 अप्रैल के बीच बहादुरगढ़ मंडी में 9,313 क्विंटल और आसौदा मंडी में 79,360 क्विंटल गेहूं की आवक हुई थी, जबकि इस बार आंकड़े इससे आगे निकल चुके हैं।

खबर संक्षेप

अवैध कॉलोनी में प्लॉट न खरीदें नागरिक : उपायुक्त

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि जिला प्रशासन अवैध कॉलोनियों को गिराने के लिए निरंतर अभियान चला रहा है। नागरिक अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। उन्होंने बताया कि गांव माछरौली में अवैध कॉलोनी काटे जाने की सूचना प्राप्त हुई है। जिला नगर योजनाकार अंजू ने बताया कि गांव माछरौली क्षेत्र के मुसतिल/ किला नंबरों को चिन्हित किया गया है।

सीता नवमी पर गूंजा नारी शक्ति का संदेश

बहादुरगढ़। सेक्टर-7 में मातृशक्ति झज्जर द्वारा सीता नवमी का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंजू अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर की। उन्होंने माता सीता के त्याग, धैर्य और आदर्श जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। विश्व हिंदू परिषद के राकेश भारद्वाज ने पंच परिवर्तन अपनाने पर जोर दिया। हरज्ञान ने रामायण प्रसंगों से समाज को मार्गदर्शन दिया।

गांव छारा में घर के बाहर से ट्रैक्टर चोरी

बहादुरगढ़। गांव छारा में मकान के बाहर से ट्रैक्टर चोरी हो गया। शिकायतकर्ता संदीप का कहना है कि 25 अप्रैल को खेत से लौटने के बाद ट्रैक्टर घर के बाहर खड़ा किया था। रात दस बजे देखा तो नहीं मिला। कोई शख्स चुरा ले गया है। उधर, मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विद्यार्थियों को कॉपी और पेन वितरित किए

बहादुरगढ़। वार्ड-31 स्थित संत कबीर बस्ती में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती उपलक्ष्य में संत कबीर बस्ती संघर्ष समिति ने कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें बच्चों को कॉपी-पेन वितरित किए गए और 10वीं-12वीं में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि आईटीबीपी डिप्टी कमांडेंट सुभाष चंद्र सिवान रहे।

प्लास्टिक कबाड़ का अवैध अड्डा बना छोटूराम नगर, कई बार लग चुकी आग

कई जगह छोटे-बड़े प्लास्टिक कबाड़ के ठिकाने बन रहे मुसीबत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। छोटूराम नगर में लगा प्लास्टिक कबाड़ का ढेर। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। कुछ दिनों पहले लगी आग की चपेट में आया गैस लाइन के ऊपर लगा पोल।

इलाके में अवैध प्लास्टिक कारोबार तेजी से फल फूल रहा है। न केवल शहरी क्षेत्र बल्कि गांवों में भी यह कारोबार चल रहा है। लाइनपार का छोटूराम नगर तो इस अवैध कारोबार का गढ़ बन गया है। यहां कई जगह छोटे-बड़े प्लास्टिक कबाड़ के ठिकाने बने हुए हैं। कहीं प्लास्टिक इकट्ठा किया जाता है तो कहीं मशीन से काटा जाता है। दिनभर यह सिलसिला जारी रहता है और प्लास्टिक कचरे से भरी गाड़ियां आती-जाती रहती हैं। कार्रवाई के दावे यहां हवा हवाई साबित हा रहे हैं। प्रशासन द्वारा अवैध पीवीसी कारोबार पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा नोटिस दिए जाने तथा जेसीबी चलाने की भी कार्रवाई होती है लेकिन हालात नहीं सुधर रहे। एकाध बार जब टीम कार्रवाई करने जाती है तो कुछ समय के लिए काम रुकता है लेकिन फिर से वही स्थिति पैदा हो जाती है। अब भी छोटूराम नगर में प्लास्टिक कारोबार की भरमार है। हैरानी भरी बात ये कि यहां नजदीक ही आबादी भरा क्षेत्र भी है। अक्सर इन प्लास्टिक के ढेरों में आग लग जाती है। जिससे प्रदूषण तो बढ़ता ही है, आसपास बीमारियां फैलने की भी आशंका है। कुछ दिनों पहले तो यहां कबाड़ में आग लगने से प्रवासी युवक की मौत तक हो गई थी। जहां आग लगी, उसके नीचे से गैस की पाइपलाइन गुजर रही है। लाइन के ऊपर लगा चेतावनी पोल भी आग की चपेट में आ गया था। पर्यावरण प्रेमी प्रदीप का कहना है कि रिहायशी इलाके के बीच यह अवैध कारोबार पर्यावरण और आमजन के खिलवाड़ है। सख्ती के साथ इस समस्या से निपटने की जरूरत है।

खास बातें

- अवैध कबाड़ के भंडारण में कई बार हो चुकी आग लगने की घटना, एक युवक जला चुका है जिंदा
- प्रशासन द्वारा बीच-बीच में की जाने वाली कार्रवाई भी बेअसर, धड़ल्ले से किया जा रहा कारोबार

जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक

डीसी के पास शिकायत लेकर पहुंचे 14 फरियादी, 8 को मिला समाधान

कोरोना के दौरान हुई मां की मौत अभी तक नहीं मिला सरकारी योजना का लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। बैठक में शिकायतों की सुनवाई करते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल। फोटो : हरिभूमि

स्थानीय संवाद भवन में सोमवार को डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें डीसी ने नागरिकों से प्राप्त शिकायतों की विस्तार से सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कुल 14 शिकायतें प्रस्तुत की गई, जिनमें से 8 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्धारित समयावधि में समाधान के निर्देश दिए। शासन-प्रशासन और आमजन के बीच संवाद स्थापित करने का प्रभावी मंचः डीसी ने कहा कि जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठकें शासन-प्रशासन और आमजन के बीच संवाद स्थापित करने का प्रभावी मंच हैं, जिनके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसीपी दीप्ति गर्ग, सीईओ जिप मनीष फौगाट, एसडीएम रवि मीणा, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल, एसडीएम बादली विशाल कुमार, सीटीएम रितु बंसीवाल, एसीपी अनिरुद्ध चौहान, डीडीपीओ निशा तंवर, डीटीपी अंजू, डीआईओ अमित बंसल सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बिजली के खंभों के कारण हो रही परेशानी

गांव सेहलंगा पंचायत ने अपनी शिकायत रखते हुए कहा कि रेलवे की जमीन में रास्ता बनाया गया है। इसी रास्ते के बीचों बीच बिजली निगम ने खंभे लगा दिए है। जिसके कारण आने जाने में परेशानी हो रही है, वहीं दुघर्टना होने का अंदेशा बना हुआ है। जिस पर कार्रवाई करते हुए डीसी ने बिजली निगम को पंद्रह दिनों के अंदर समस्या के समाधान करने के निर्देश दिए।

डीसी ने स्पेशल केस भेजने के दिए निर्देश

युवक विक्की ने बताया कि उसकी माता की मृत्यु कोरोना के दौरान हो गई थी। लेकिन उन्हें अभी तक सरकार की किसी योजना का लाभ नहीं मिला। जिस पर स्वास्थ्य विभाग ने जवाब दिया कि केंद्र सरकार की ओर से 50 लाख रुपये की सहायता राशि पहले ही दी जा चुकी है, जबकि अन्य किसी लाभ का प्रावधान नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसी ने अधिकारियों को स्पेशल केस मुख्यालय में भेजने के निर्देश दिए। इसके अलावा जौंधी गांव के एक व्यक्ति ने रास्ते की पैमाइश नहीं होने की शिकायत रखी। जिस पर कार्रवाई करते हुए तहसीलदार को एक सप्ताह के भीतर पैमाइश करने के निर्देश दिए।

न्यूज डायरी

गांव मातनहेल में सैनिक स्कूल के निर्माण की मांग को लेकर डीसी से मिले ग्रामीण

झज्जर। जिले के गांव मातनहेल में सैनिक स्कूल बनवाने की वर्षों पुरानी मांग को अमली जामा पहनाने के संबंध में ग्राम पंचायत का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना व भाजपा नेता मनीष बंसल के साथ डीसी से मिलने पहुंचा। यहां राजपाल बंबूलिया, भूप शास्त्री, जयदेव, गुरदीप फौजी व जगदीश ने सैनिक स्कूल निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने के संबंध में बात की। इसके बाद डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने उन्हें शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कराने व कक्षाएं शुरू कराने का आश्वासन दिया।

शतरंज प्रतियोगिता में आरईडी के वंश ने जीता कांस्य पदक, प्रबंधन ने दी बधाई

झज्जर। जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में आरईडी स्कूल छुछकवास के छात्र वंश कौशिक ने अंडर-15 आयु वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल किया है। स्कूल निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत ने विजेता छात्र वंश कौशिक को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शतरंज जैसे खेल न केवल मानसिक क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि धैर्य, निर्णय लेने की क्षमता व एकाग्रता को भी मजबूत करते हैं। प्राचार्य सुनील कादियान ने इस उपलब्धि पर अभिभावकों को बधाई देते हुए वंश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कॉलेज में वार्षिक पत्रिका का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। पत्रिका विमोचन के अवसर पर शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गांव छारा में स्थित चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में सत्र 2024-25 की वार्षिक पत्रिका का विमोचन समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या डॉ. सविता पुनिया के मार्गदर्शन में हुआ। वार्षिक पत्रिका के मुख्य संपादक हिंदी सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार रहे। उनके निर्देशन में तैयार की गई पत्रिका में विद्यार्थियों की साहित्यिक रचनाएं, कविताएं, लेख, तथा महाविद्यालय की वर्षभर की शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का समावेश किया गया है। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. सविता पुनिया ने कहा कि वार्षिक पत्रिका संस्थान की उपलब्धियों का दर्पण होती है और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करती है। उन्होंने संपादकीय टीम के कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। समारोह में उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों ने पत्रिका के प्रकाशन पर हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. अनीता दलाल, डॉ. संजय देसवाल, डॉ. ललिता, डॉ. अश्वनी कुमार, मंजू मलिक, डॉ. रेखा, डॉ. रिदम, ज्योति, गोविंद सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

सॉफ्ट बोर्ड व बेस्ट बैग प्रतियोगिता में छाए नन्हे-मुन्ने

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राथमिक विंग के विद्यार्थियों के बीच बेस्ट बैग प्रतियोगिता कराई गई जबकि वरिष्ठ माध्यमिक विंग के विद्यार्थियों के लिए सॉफ्ट बोर्ड डेकोरेशन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण और शिक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। विद्यार्थियों ने सेव अर्थ-सेव लाइफ, शिक्षा और प्रकृति जैसे विषयों पर बेहद सुंदर और संदेशपूर्ण बोर्ड तैयार किए। संस्कारम समूह के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार छोटे बच्चों ने अपने स्कूल बैग को व्यवस्थित रखकर अपनी कला का प्रदर्शन किया और बड़े विद्यार्थियों ने प्रकृति व शिक्षा जैसे गंभीर विषयों को सॉफ्ट बोर्ड पर जीवंत किया, वह वास्तव में गौरवपूर्ण है।

झज्जर। प्रतियोगिता के प्रतिभागी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

भाजपा की नीतियों से हर वर्ग संतुष्ट : जैन

बहादुरगढ़। भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने हरियाणा सरकार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास का सिद्धांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रभावी रूप से लागू हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव सभी वर्गों तक पहुंच रहा है। बहादुरगढ़ सहित पूरे प्रदेश में सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं में निरंतर सुधार हुआ है, जिससे लोगों को सीधा फायदा मिल रहा है। डॉ. जैन के अनुसार मुख्यमंत्री सत्ता को सेवा का माध्यम मानकर काम कर रहे हैं और सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी कारण प्रदेश का व्यापक समाज सरकार की नीतियों से संतुष्ट नजर आ रहा है।

बास्केटबॉल की जूनियर स्टेट चैंपियनशिप के लिए 12 लड़कों व 12 लड़कियों का चयन

झज्जर। बास्केटबॉल की जूनियर स्टेट चैंपियनशिप के लिए राजीव गांधी खेल परिसर डीघल में खिलाड़ियों का ट्रायल लिया गया। एसोसिएशन अध्यक्ष जोगेंद्र रूहिल, उपाध्यक्ष गौरव सांगवान व महासचिव रविंद्र हुड्डा की उपस्थिति 12 लड़कों व 12 लड़कियों का चयन किया गया। मनोज कोच व राजिंद्र ने बताया कि चयनित खिलाड़ी 8 से 10 मई तक किलोई में होने वाली चैंपियनशिप में भाग लेंगे।

संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों में वितरित की एल्बेंडाजोल गोलियां

झज्जर। संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में सोमवार को विद्यार्थियों में एल्बेंडाजोल टेबलेट वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को पेट के कीड़ों से सुरक्षित रखना और उनके संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उन्हें दवा के महत्व बारे विस्तार से जानकारी दी। प्राचार्या श्वेता कौशिक ने विद्यार्थियों को साफ-सफाई बनाए रखने, समय पर हाथ धोने और स्वच्छ भोजन करने की सलाह दी। अभिभावकों को दिए संदेश में उन्होंने कहा कि वे घर पर भी बच्चों की स्वच्छता और खान-पान का विशेष ध्यान रखें। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि इस प्रकार की पहल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर जीवन के लिए आवश्यक हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

युवक को गोली लगने पर केस दर्ज

बहादुरगढ़। टांडाहेड़ी में युवक को गोली लगने पर आखिरकार केस दर्ज हो ही गया। हालांकि गोली किसने चलाई, ये अभी स्पष्ट नहीं है। सदर थाना पुलिस मामले में जांच कर रही है। दरअसल, टांडाहेड़ी में गत 24 अप्रैल को एक परिवार ने बेटियों के जन्मदिन पर कार्यक्रम आयोजित किया था। परिवार का ही सदस्य अर्पित भी उस कार्यक्रम में था। कार्यक्रम समापन होने के बाद देर रात करीब दो बजे जब खाना खा रहा था तो एकाएक गोली चली और उसके पांव में लग गई। बाद में परिजन उसे बहादुरगढ़ के एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां उपचार के बाद उसे छुट्टी मिल गई। मामले की भनक लगने पर पुलिस हरकत में आई और जांच शुरू की। शुरुआती तौर पर पीड़ित द्वारा भी कोई शिकायत नहीं दी गई। चूंकि गोली चली हुई थी तो पुलिस ने गंभीरता दिखाई। आखिरकार पीड़ित अर्पित ने बयान दे दिए।

फांसी लगाकर युवक ने दी जान

झज्जर। क्षेत्र के गांव डावला में एक व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगा कर जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान करीब 35 वर्षीय कुलदीप पुत्र वेदपाल के तौर पर हुई है। वह अविवाहित था। मामले के जांच अधिकारी प्रवीण ने बताया कि शव तीन दिन पुराना है। परिजनों के अनुसार वह बीती 24 अप्रैल को खेत में काम करने के लिए गया था। खेत में कमरा होने के कारण वह इससे पहले भी कई-कई दिनों तक घर नहीं आता था। पुलिस ने इस संबंध में इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

बैठक में नामांकन बढ़ाने व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर रहा जोर

अंकगणित को मजबूत करने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। बैठक में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर मंथन करते मौजूद शिक्षक।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजबाला मलिक की अध्यक्षता में निपुण मिशन के तहत खंड बहादुरगढ़ की परियोजना क्रियान्वयन इकाई की बैठक राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित की गई। बैठक में एबीआरसी, बीआरपी, स्कूल मुखिया तथा खंड निपुण संयोजक सरिता सरोहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ जिला निपुण समन्वयक डॉ. सुदर्शन पूनिया ने किया। उन्होंने बहादुरगढ़ खंड के विद्यालयों के स्कूल व कक्षा अनुसार नामांकन आंकड़ों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए बाल वाटिका कक्षाओं पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। साथ ही कक्षा तत्परता कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया। राजबाला मलिक ने सभी हितधारकों से अपील करते हुए कहा कि कक्षा तत्परता कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण रेमेडियल पहल है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रवेश से पहले आवश्यक दक्षताएं सुनिश्चित की जा सकती हैं। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि स्किल पासबुक को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार नियमित रूप से भरा जाए।

जानकारी साझा की

डॉ. जितेंद्र देसवाल ने एससीआरटी द्वारा संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी साझा की और नामांकन वृद्धि व शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार पर बल दिया। बैठक के अंत में खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। उन्होंने क्लस्टर प्रमुखों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक माह विद्यालयों का भ्रमण सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वास जताया कि बहादुरगढ़ खंड निपुण हरियाणा मिशन में अग्रणी बनेगा। बैठक का मुख्य उद्देश्य खंड के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और नामांकन में वृद्धि करना रहा।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए अदालत आज 11 बजे से दोपहर दो बजे तक

झज्जर। उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा अधीक्षण अभियंता कार्यालय में मंगलवार को बिजली अदालत व उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक किया जाएगा। यह अदालत फोरम के चेयरमैन एवं बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता ऑपरेशन सर्कल झज्जर की अध्यक्षता में होगी। प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान बिजली बिल, कनेक्शन और अन्य तकनीकी समस्याओं से जुड़े परिवादों की समीक्षा की जाएगी।